हिन्दी

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] **पूर्णांक:** 100

निर्देश : (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड- क

प्र० 1. (क) **'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं–** 1

(i) सदा सुख लाल (ii) राजा लक्ष्मण सिंह

(iii) श्रद्धा राम फिल्लौरी (iv) इंशा अल्ला खां

(ख) **'शेखर : एक जीवनी' के लेखक हैं–** 1

(i) भीष्म साहनी (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iv) भगवती चरण वर्मा

(ग) **'तितली' के लेखक हैं–** 1

(i) अज्ञेय (ii) श्यामसुन्दर दास

(iii) जयशंकर प्रसाद (iv) प्रेमचन्द

(घ) **'भारत-दुर्दशा' रचना किसकी है?** 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) रामकुमार वर्मा

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (iv) प्रेमचन्द

(ङ) **'निन्दा रस' किसकी रचना है?** 1

(i) मोहन राकेश (ii) श्याम सुन्दर दास

(iii) हरिशंकर परसाई (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

प्र० 2. (क) आँसू के रचनाकार हैं– 1

(i) महादेवी वर्मा (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) प्रेमचन्द (iv) अज्ञेय

(ख) कबीर के गुरु का नाम था– 1

(i) बल्लभाचार्य (ii) नरहरिदास

(iii) रामानन्द (iv) रामकृष्ण परमहंस

(ग) **'साहित्य लहरी' के रचनाकार हैं–** 1

(i) कबीरदास (ii) सूरदास

(iii) तुलसीदास (iv) नाभादास

(घ) **'यामा' किसकी रचना है?** 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(iii) महादेवी वर्मा (iv) रामकुमार वर्मा

(ङ) **'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है–** 1

(i) 1943 ई0 (ii) 1950 ई0

(iii) 1951 ई0 (iv) 1956 ई0

प्र० 3. निम्नलिखित गद्यांश का संदर्भ देते हुए किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए : 2+2+2+2+2=10

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी, परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्‌भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस शीर्षक से उद्‌धृत है?

(ii) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक कौन हैं?

(iii) उपर्युक्त गद्यांश में किस प्रसंग का प्रतिपादन किया गया है?

(iv) भाषा किसका अभिन्न अंग है और क्यों?

(v) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत-सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संसार-कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामन्त उखड़ गये, समाज ढह गए, और मदनोत्सव की धूमधाम भी मिट गयी। सन्तान-कामिनियों को गंधर्वों से अधिक शक्तिशाली देवताओं का वरदान मिलने लगा—पीरों ने, भूत-भैरवों ने, काली-दुर्गा ने यक्षों की इज्जत घटा दी। दुनिया अपने रास्ते चली गई, अशोक पीछे छूट गया।

प्रश्न– (i) अशोक किसका प्रतीक है?

(ii) विशाल सामंत-सभ्यता कैसे समृद्ध हुई थी?

(iii) यक्षों की इज्जत किसने घटा दी?

(iv) 'परिष्कृत' और 'समृद्ध' शब्द का अर्थ क्या है?

(v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम बताइए।

प्र० 4. पद्यांशों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **2×5=10**

आज की दुनिया विचित्र, नवीन;
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत भाप,
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।
हैं नहीं बाकी कहीं, व्यवधान,
लाँघ सकता है नर सरित, गिरि, सिन्धु एक समान।

(i) कवि के अनुसार आज की दुनिया कैसी है?
(ii) पुरुष के हाथों में क्या बँधे हैं?
(iii) 'चढ़ता-उतरता' में कौन-सा समास है?
(iv) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।
(v) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

अथवा

दुःख की पिछली रजनी बीच,
विकसता सुख का नवल प्रभात।
एक परदा यह झीना नील,
छिपाये हैं जिसमें सुख-गात।

जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत की ज्वालाओं का मूल।
ईश का वह रहस्य वरदान,
कभी मत जाओ इसको भूल।

(i) कवि ने दुःख की तुलना किससे की है?
(ii) कवि के अनुसार झीना परदा में क्या छिपा हुआ है?
(iii) 'सुख-गात' में कौन-सा अलंकार है?
(iv) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।
(v) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम बताइए।

प्र० 5. (क) **निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी महत्त्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिए–**

(शब्द सीमा अधिकतम–80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल
(ii) डॉ0 हजारीप्रसाद द्विवेदी
(iii) डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम

(ख) **निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक-परिचय एवं उनकी महत्त्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिए–**

(शब्द सीमा अधिकतम–80 शब्द) 3 + 2 = 5

(i) महादेवी वर्मा
(ii) मैथिलीशरण गुप्त
(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(iv) जयशंकर प्रसाद

प्र० 6. कथानक के आधार पर 'पंचलाइट' **अथवा** 'बहादुर' कहानी की समीक्षा कीजिए। **5**

(शब्द सीमा अधिकतम–80 शब्द)

अथवा 'बहादुर' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालिए।

प्र० 7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के प्रश्नों का उत्तर दीजिए– **5**

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य में ऐतिहासिक तथ्यों की प्रधानता है। उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर उसकी नायिका के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य में सत्य और अहिंसा का सुन्दर संदेश दिया गया है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य में प्रस्तुत 'हर्षवर्द्धन' के चरित्र का वर्णन कीजिए।

(च) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए।

खण्ड- ख

8. (क) **निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** $2 + 5 = 7$

याज्ञवल्क्य उवाच– न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायाजाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मानस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियां भवति, आत्मानस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मानस्तु वै कामाय सर्वप्रियं भवति।

अथवा

प्रीतः गुरुस्तमभाषत–सौम्य! विदितवेदितव्योऽसि, नास्ति किमपि अविदितं तव। अद्यत्वेऽस्माकं देशः अज्ञानान्धकारे निमग्नो वर्तते, नार्यः अनादृियन्ते, शूद्राश्च तिरस्क्रियन्ते, अज्ञानिनः पाखण्डिनश्च पूज्यन्ते। वेदसूर्योदयमन्तरा अज्ञानान्धकारं न गमिष्यति। स्वस्त्यस्तु ते, उन्नमय पतितान्, समुद्धर स्त्रीजातिं खण्डय पाखण्डम्, इत्येव मेऽभिलाषः इयमेव च मे गुरुदक्षिणा।

(ख) **निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** **2+5=7**

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।।

अथवा

प्राप्तः किलाद्य वचनादिह पाण्डवानां
दौत्येन भृत्य इव कृष्णमतिः स कृष्णः।
श्रोतुं सखे! त्वमपि सज्जय कर्ण कर्णो
नारी मृदूनि वचनानि युधिष्ठिरस्य।।

प्र० 9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए– **2+2=4**

(i) कस्य कामाय सर्वं प्रिय भवति?
(ii) मूर्खाणां कालं कथम् गच्छति?
(iii) महर्षे दयानन्दस्य गुरुः कः आसीत्?
(iv) विद्यार्थी किं त्यजेत्?

प्र० 10. (क) 'शान्त रस' अथवा 'वीभत्स रस' का स्थायी भाव के साथ परिभाषा या उदाहरण दीजिए। **1+1=2**

(ख) 'यमक' अथवा 'संदेह' अलंकार की परिभाषा या उदाहरण दीजिए। **2**

(ग) 'सोरठा' अथवा 'चौपाई' छन्द की मात्राओं के साथ उदाहरण या परिभाषा दीजिए।। **1+1=2**

प्र० 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए– **2+7=9**

(i) साहित्य और जीवन

(ii) नारी शिक्षा की उपयोगिता

(iii) बढ़ती जनसंख्या का कुप्रभाव

(iv) वृक्षारोपण का महत्त्व

(v) प्रीति कर काहू सुख न लह्यो

प्र० 12. (क) (i) **'शायकः' का संधि-विच्छेद है–** 1

(अ) शा + अकः (ब) शै + अकः

(स) शय + अकः (द) शौ + अकः

(ii) **'सच्चित्' का सन्धि-विच्छेद है–** 1

(अ) सत् + चित् (ब) सत + चित्

(C) सत्त + चित् (द) सतः + चित्

(iii) **'विष्णुस्त्राता' का संधि-विच्छेद है–** 1

(अ) विष्णु + त्राता (ब) विष्णुः + त्राता

(स) विष्णो + त्राता (द) विष्णौ + त्राता

(ख) (i) **निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए–** 1

(अ) कृष्णसर्पः (ब) प्रत्यक्षं

(स) यथाशक्ति

प्र० 13. (क) (i) **नामन् शब्द का द्वितीया विभक्ति बहुवचन का रूप होगा–** 1

(अ) नामानि (ब) नामभिः

(स) नामभ्यः (द) नामसु

(ii) **आत्मन् शब्द का चतुर्थी विभक्ति के बहुवचन का रूप लिखिए।** 1

(ख) (i) **स्था धातु लोट् लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन का रूप होगा–** 1

(ii) **पिबतः का धातु, लकार, पुरुष तथा एकवचन लिखिए।** 1

(ग) (i) **निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए–** 1

(अ) पीत्वा (ब) कृतम्

(स) प्रभुता

(ii) **निम्नलिखित में से किसी एक शब्द में प्रत्यय लिखिए–** 1

(अ) गुरुत्व (ब) द्यूतः

(स) नीत्वा

(घ) **रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए – 1+1=2**

(i) <u>विद्यालयं</u> निकषा नदी बहति।

(ii) <u>मह्यम्</u> मोदकं रोचते।

(iii) भिक्षुकः <u>पादेन</u> खञ्जः अस्ति।

प्र० 14. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–** 2+2=4

(i) तुम्हें क्या करना चाहिए?

(ii) हम जा रहे हैं।

(iii) वे दोनों कल काशी गये थे।

(iv) कृतिका एक मेधावी छात्रा है।

Solved By:~ Arunesh Sir